SHETH SHREE GIRDHARLAL AWARD : FOR SOCIAL SERVICE IN TRIABAL AREA







the second of the latter will Diere eine vert fferte igt min ball. arear aven date oge. ADA SANDA MERINA ships at the stand and there will be forced in spars, any state the second the affeirs and at the store age usered its of Deau No the set high or a live same mean an 16

And all the Read and Court



and a serie and a serie and the series and a series and the series and the series and the series and take acade allowing that ways and will take allowing alowed and and and will be trood an an week well advaid as we the star an award want want want enalises ages seens were helder in fraulien પ્લોને કે તે કે બાદ બાદ કે કે કે પ્લેન્સ પ્લોનો પ્લેન્સ પ્લોનો પ્લેન્સ પ્લોને પ્લેન્સ પ્લેન પ્લેન્સ પ

> શેઠશ્રી ગિરઘરલાલ એવોર્ડ सम्मात यन्न united for season synthesize with and stores

and the house of the second and the party of the falles trifet im biatte scopell

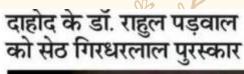
जॉ. श्री शहत मेलापरित प्रज्यालने લબીબી કોંગ્રે જરૂરિયાલમંદ દર્દીઓની जित्रांत (महत हैं) त्यता प्राप्तांत महताहतम

the strategy in the second dealer and

heavy user this spray this is used and the second first at officer states that well called, started antich these which שים במעלה אולינות שובלים לוינו

style wild 10.00 siste after ***** 11954

threads workperfor and the strend place ------minutern fram





डॉझ राहुल पड़वाल को मिला दाहोद में पुरस्कार।

भारकर संवाददाता झाबुआ

गजरात के दाखेद के नामी डॉक्टर राहल पडवाल को राहोद अनाज महाजन एंड एजकेशन सोसाइटी ने पुरस्कृत किया है। 9 दिसंबर को स्थापना दिवस पर सेंठ श्री गिरधरालाल पुरस्कार- 2022 दिया गया। साल 1992 से दाहोद अनाज पब्लिक एजकेशन महाजन सोसाइटी शहर को शिक्षा, संस्कृति, कला और समाज सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मेधावी प्रतिभाओं को पुरस्कृत कर रही है। ऐसे लोग जो दूसरों को प्रेरक शक्ति के रूप में प्रेरित करते हैं। विपदा के समय कार्य करने वाले, रचनात्मक संगठन या इस क्षेत्र के व्यक्ति जिन्होंने राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान प्राप्त किया है. उन्हें पुरस्कार दिया जाता है।

डॉ. राहल पडवाल ने कक्षा 1 से 12 तक एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित स्कूलों में अध्ययन किया

और तीन बार सर्वोन्मसी प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त किया। राहल पडवाल ने 10वीं करत में जिले में टॉप तीन में स्थान बनाया था। बच्चों की तॉकी और बैडमिंटन में राज्य स्तर पर सम्मान हसिल किया था। अभी वे दाहोद शहर में जिले का पारना एनएबीएच और आईएसओ प्रमाणित पडवाल महिला अस्पताल स्थापित करके स्त्री रोग विशेषज के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने दाहोद सरकारी अस्पताल में 6000 से अधिक स्त्री रोग संबंधी सर्जरी की। उन्होंने सिर्फ 120 सेमी ऊंचाई की महिला की सफल सजेरी कर राष्ट्रीय खपति प्राप्त की। इसी तरह 42 साल की महिला के शरीर से बिना एक भी टांका लगाए 6.5 किलो का टयुमर निकालकर महिला को जीवनदान दिया। इसके अलावा भी कई बडी सर्जरी सफलतापूर्वक कर चुके हैं। वई रिकार्ड बुक में उनका नाम आ चका है।